

फाँटना स.क्रि. (देश.) 1. अनेक भागों में बाँटना, विभक्त करना 2. काढ़ा बनाना।

फाँडा पुं. (तद्.) धोती आदि का कमर में बँधा हुआ हिस्सा।

फाँड़ पुं. (तद्./देश.) दे. फाँड़ा।

फाँद स्त्री. (देश.) उछलने की क्रिया अथवा भाव, उछाल।

फाँदना अ.क्रि. (तत्.) किसी एक स्थान से दूसरे स्थान पर कूदना, उछलना।

फाँफी स्त्री. (देश.) 1. अत्यधिक महीन झिल्ली बहुत बारीक परत 2. उबले हुए दूध के ऊपर बन जाने वाली मलाई की हल्की परत 3. एक नेत्र-रोग-जाला, माँड़ा।

फाँस स्त्री. (तत्.) 1. बांस अथवा अन्य किसी सूखी लकड़ी का कड़ा एवं सूक्ष्म तंतु जो शरीर में चुभ जाता है 2. ला.अर्थ. मन में चुभने वाली बात स्त्री. (तद्.) 1. पाश, फंदा, बंधन 2. शिकारियों द्वारा पशुओं एवं पक्षियों को फँसाने के लिए बनाए गये जाल आदि।

फाँसना स.क्रि. (देश.) 1. पाश में बाँधना 2. किसी पशु-पक्षी आदि को जाल में फँसाना 3. ला.अर्थ. स्वार्थ सिद्धि के लिए किसी को छल-पूर्वक वश में करना 4. किसी को प्रयत्न-पूर्वक अपनी ओर आकर्षित करना 5. किसी से अनुचित शारीरिक संबंध स्थापित करना।

फाँसी स्त्री. (देश.) 1. पाश, फंदा 2. रस्सी अथवा वस्त्रादि से बनाया गया फंदा जिसमें गला फँसाकर लोग आत्महत्या करते हैं 3. गले में फंदा डालकर मारने की विधि 4. गले में फंदा डालकर दिया जाने वाला मृत्युदंड 5. ला.अर्थ. मृत्यु के समान कष्ट देने वाली कोई बात।

फाइल स्त्री. (अं.) 1. नत्थी, संचिका, मिसिल 2. पंक्ति, कतार, ताँता 3. रेती, एक औजार जिसे किसी धातु पर रगड़ने से उसके महीन कण कट कर गिरते हैं स.क्रि. 1. फाइल में रखना, नत्थी करना, क्रम से रखना 2. पंक्तिबद्ध होकर चलना 3. रेतना, घिसना, रगड़ना 4. दाखिल करना, लिखवाना 5. दायर करना।

फाउंड्री स्त्री. (अं.) वह कल या कारखाना जहाँ धातु की चीजें ढाली जाती हैं, ढालने का कारखाना।

फाका पुं. (अर.) निराहार रहने की अवस्था अथवा भाव, प्रायः भूखे रहने की विवशता अथवा लंबे समय तक प्रायः भूखे रहने की स्थिति, अनशन, उपवास, अस्वस्थता में भोजन बंद होना।

फाकामस्त वि. (अर.+फा.) 1. भोजन के अभाव में भी प्रसन्न रहने वाला 2. निर्धनता की स्थिति में भोजनादि के अभावों से जुझते हुए भी सदा प्रसन्न रहने के स्वभाव वाला।

फाखता स्त्री. (फा.) पंडुक अथवा पंडुकिया नाम की एक छोटी सी चिड़िया, धँवरखा।

फाग पुं. (तद्.) 1. फागुन के मास में होली के पूर्व या होली के दिन परस्पर रंग गुलाल आदि लगाने का उत्सव, फाग खेलने/रंगों से खेलने का उत्सव 2. फागुन मास में होली के आस-पास गाए जाने वाले एक विशेष प्रकार के गीत जैसे-फाग गाना, होली (होरी) गाना।

फागुन पुं. (तद्.) विक्रम संवत् का बारहवाँ महीना, माघ मास के पश्चात् आने वाला महीना, फाल्गुन।

फाजिल वि. (अर.) 1. उच्च-शिक्षा प्राप्त विशिष्ट विद्वान्, विशेषज्ञ, गुणवान्, योग्य 2. आवश्यकता से अधिक, अतिरिक्त, फालतू 3. अधिक, ज्यादा, प्रभूत मात्रा में 4. शेष बचा हुआ, अवशिष्ट।

फाट पुं. (तत्.) आयु. किसी औषधीय द्रव्य को अथवा वनस्पतियों आदि को कुछ देर उबाल कर पानी में रखकर तथा छानकर तैयार किया गया क्वाथ अथवा काढ़ा वि. सुगम प्रक्रिया से विनिर्मित, सरलता से तैयार किया गया (काढ़ा) आदि।

फाटक पुं. (तद्.) 1. सिंह-द्वार, बड़ा दरवाजा, तोरण 2. पशुओं को रखने का स्थान, मवेशीखाना, काँजी हाउस (देश.) अनाज फटकने से शेष बची भूसी, फटकन, पछोड़न।

फाटना अ.क्रि. (देश.) ('फाड़ना' का अकर्मक रूप) 1. किसी पोली (अंदर से खोखली) वस्तु में दरार पड़ जाना, आघात से अथवा किसी प्राकृतिक